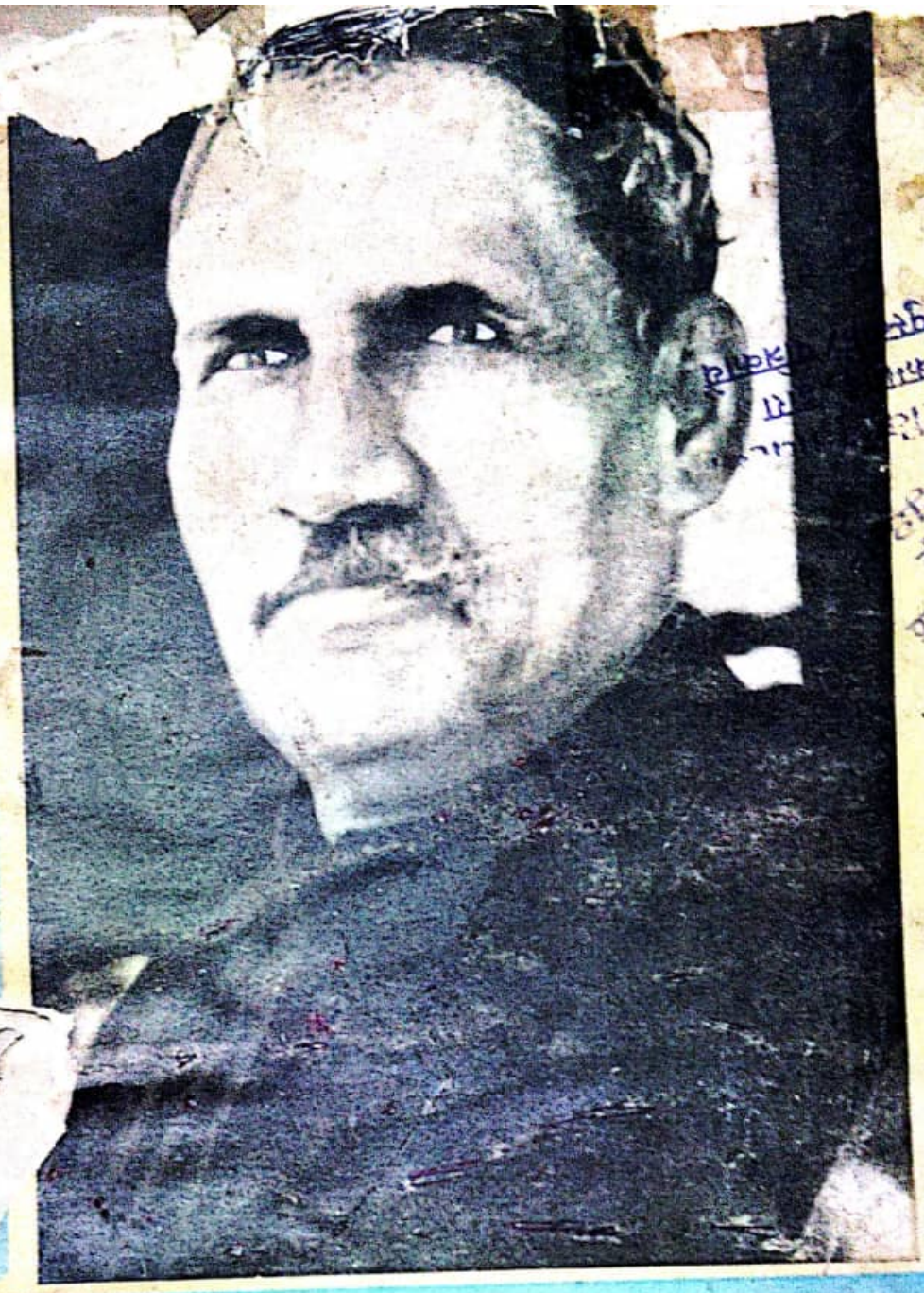

प्रेरक साधक

[श्री बनारसीदास चतुर्वेदी-अभिनन्दन-ग्रंथ]

Scanned with OKEN Scanner

प्रेरक साधक

हिन्दी के यशस्वी लेखक, पत्रकार
तथा लोकसेवी
श्री बनारसीदास चतुर्वेदी की
सेवाओं के उपलक्ष्य में अर्पित
अभिनंदन-ग्रंथ

•

सस्ता साहित्य मंडल
प्रकाशन

परामर्शदाता-मण्डल
काकासाहब कालेलकर
श्रीप्रकाश
हरिभाऊ उपाध्याय
श्रीनारायण चतुर्वेदी
कृष्णानन्द गुप्त
सत्यवती मल्लिक
अक्षयकुमार जैन

प्रकाशक
मार्तण्ड उपाध्याय
मंत्री, सस्ता साहित्य मंडल,
नई दिल्ली

पहली बार : १९७०
मूल्य : रु० ४०.००
विशेष संस्करण : रु० ५०.००

मुद्रक
माया प्रेस प्रा० लि०
इलाहाबाद

सम्पादक-मण्डल
श्रीमन्नारायण
हजारीप्रसाद द्विवेदी
मन्मथनाथ गुप्त
जगदीशप्रसाद चतुर्वेदी
क्षेमचन्द्र 'सुमन'
वृन्दावनदास
रमेशचन्द्र दुबे
रतनलाल बंसल
यशपाल जैन

Scanned with OKEN Scanner

अमुक्रम

खंड : एक

व्यक्तित्व और कृतित्व

सरस्वती साधक : श्री सोहनलाल द्विवेदी १९
स्वतंत्र वृत्ति के सेवक : श्री काका कालेलकर २०
उनकी बहुविध सेवाएं : श्री श्रीप्रकाश २१
हमारे चौबेजी : श्री हरिभाऊ उपाध्याय २४
कुटुम्ब के एक बुजुर्ग : श्री श्रीमन्नारायण २६
पूज्य और वरेण्य : श्री रामधारी सिंह दिनकर २७
आदर्श पुरुष : श्री राजेश्वरप्रसादनारायण सिंह ३४
कलकत्ता और दिल्ली की यादें : श्री चंद्रगुप्त विद्यालंकार ३७
शहीदों के सखा : श्री पृथ्वीसिंह आजाद ४४
वह अलभ्य प्रेम : श्री विष्णु प्रभाकर ४८
एक स्वच्छंद जीवन : श्री कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर ५३
जिंदादिल और सूझ के धनी : श्री सूर्यनारायण व्यास ५६
अथक साधक : श्री भगवानसिंह ५८
अराजकवादी : श्री प्रभाकर माचवे ६१
जैसा मैंने देखा : श्री सीताराम सेकसरिया ६३
चौबेजी की शिक्षा और प्रेरणा : श्री सज्जनसिंह ६५
दुर्लभ व्यक्तित्व : श्री रामइकबाल सिंह 'राकेश' ६६
मेरे संरक्षक : श्री जयनारायण राय ७३
ईडन गार्डन से बुद्ध जयंती पार्क तक : श्रीमती सत्यवती मल्लिक ७८
आदर के भाजन : श्री मुकुटबिहारी वर्मा ८४
यह आत्मीयता क्यों ? : श्री धर्मेन्द्रनाथ शास्त्री ८७
कुण्डेश्वर की स्मृतियां : श्री शिवानी ८९
उनका योगदान : श्री रवीन्द्र ९२
वह अपने-आप में एक संस्था है : श्री क्षेमचन्द्र 'सुमन' ९५
दादाजी के सान्निध्य में : श्रीमती आदर्शकुमारी ९७

दादा : श्री अमृतलाल चतुर्वेदी १००
गुणग्राही और कृतज्ञताशील : श्री श्यामसुंदर खत्री १०३
जिन खोजा तिन पाइयां : श्री जयंती पंत १०८
उनकी चिरस्मरणीय सेवाएं : श्री गौरीशंकर द्विवेदी १११
सच्चे बन्धु : श्रीमती शकुंलता श्रीवास्तव ११५
उनके व्यक्तित्व के कुछ पहलू : श्री ब्रजकिशोर जैन ११७
सोलह वर्ष : श्री रामधन राम १२०
सत्पुरुष : श्री प्रभुदत्त ब्रह्मचारी १२४
जवाकुसुम की महक : श्री विद्याशंकर शर्मा १२७
प्रवासी भारतीयों के चिंतक : श्री शंकरप्रताप १३२
साहित्य तथा साहित्यसेवियों के निर्माता : श्री रामनारायण उपाध्याय १३४
कुछ बोलते चित्र : श्री अमरनाथ कौल अदालती १३८
एक जीता-जागता व्यक्तित्व : श्री मोहनसिंह सेंगर १४१
चतुर्वेदीजी का प्रकृति-प्रेम : श्री गनेशीलाल बुधौलिया १४७
क्रांतिकारियों के पुरोहित : श्री शिवकुमार गोयल १५०
जिनका कहीं उपमान नहीं : श्री सुधाकर शुक्ल १५२
मानवतावादी साहित्यकार : श्री शिवनारायण श्रीवास्तव १५३
उपेक्षितों के उपासक : श्री हरगोविन्द गुप्त १५८
सर्मपित व्यक्तित्व : श्री मुरलीधर दिनोदिया १६२
दादाजी : समीप से : श्री गणेशलाल शर्मा 'प्राणेश' १६४
विंध्यप्रदेश के गौरव : श्री शंभूनाथ शुक्ल १६६
विनीत : श्री काशीराम १७१
दादाजी : अपने घर-आंगन में : श्री मिथलेशचंद्र चतुर्वेदी १७६
पिस्तौल से लेखनी : श्री भगवानदास माहौर १८१
चिरकृतज्ञ : श्री जयकिशन प्रसाद खंडेलवाल १८७
उनकी मानवीयता : श्री युगलकिशोर चतुर्वेदी १८८
जीते-जागते साहित्यिक विश्वकोश : श्री देवप्रकाश १९०
दूसरों का आत्मगौरव बढ़ानेवाले : श्री भैयालाल शर्मा १९२
हमारे नानाजी : श्री कुमकुम चतुर्वेदी १९४
श्रद्धेय चतुर्वेदीजी के साथ पांच वर्ष : श्री राजेद्रनाथ शर्मा १९६
उनकी साहित्य-सेवा का उद्देश्य : श्री शिवकली रूसिया १९८
बहुमुखी जीवन के धनी : श्री यशपाल जैन २००
मेरे मार्ग-दर्शक : श्रीमती कमला चौधरी २०५
कुंडेश्वर के गांधी भवन के प्रेरणा-स्रोत : श्री कामताप्रसाद सक्सेना २०९
सहज संवेदनशील साधक : श्री श्यामसुन्दर बादल २१०

खंड : दो

अपनी कहानी : स्वयं की ज़बानी

आत्मचरित लेखन की कठिनाइयां २१७
मेरे पूज्य माता-पिता २१९
मेरा विद्यार्थी जीवन २२४
अध्यापक - जीवन और प्रवासी भारतीय २२९
मेरे भी एक भाई था २३२
जिन्होंने मुझे प्रेरणा दी २३६
मेरा मुक्ति-दिवस २३९
कुंडेश्वर के साढ़े चौदह वर्ष २४१
राजेन्द्र-सागर के निर्माण की कहानी २४६
लंबे भाषणों और सूखी बहसों के रेगिस्तान में २४९
मेरे सपने कैसे साकार हुए २५२
शहीदों-क्रांतिकारियों की सेवा में २५ वर्ष २६०
मेरा दृष्टिकोण २६४

खंड : तीन

ब्रजभूमि : साहित्य और संस्कृति

ब्रज-वर्णन : श्री अमृतलाल चतुर्वेदी २७३
ब्रजभूमि का पुनर्निर्मण : श्री वृन्दावनदास २७४
ब्रज के वाहन : श्री प्रभुदत्त ब्रह्मचारी २८२
ब्रज के स्थान-अभिधानों का सांस्कृतिक पक्ष : श्री लक्ष्मीनारायण शर्मा 'नीरव' २८८
ब्रज-क्षेत्र में यक्षोपासना : श्री नीलकंठ पुरुषोत्तम जोशी २९४
कंबोडिया के एक प्राचीन लेख में मथुरा : श्री कृष्णदत्त वाजपेयी २९७
सखि री, ब्रजकौ बसिबौ नीकौ : श्री राजेंद्र रंजन २९८
श्रीकृष्ण के शैशव का लीला-स्थल : श्री आनंदस्वरूप पाठक ३०२
ब्रज की सीमा : बरहद : श्री अक्षयकुमार जैन ३०७
ब्रज के तीर्थ-स्थल : श्री मधुमोद के० रायजादा ३०९
ब्रज-संस्कृति की विशेषता : श्री प्रभुदयाल मीतल ३१४
ब्रज-संस्कृति का सार्वभौम स्वरूप : श्री कैलाशचंद्र स्वरूप ३१७
ब्रज-संस्कृति और विश्व को उसकी देन : श्री मलखानसिंह सिसौदिया ३२२
कोटिक हू कलधौत के धाम करील की कुंजन ऊपर बारौं : श्री भवेश पचौरी ३२५

Scanned with OKEN Scanner

ब्रज-संस्कृति में कदम्ब : श्री राधेश्याम द्विवेदी ३२७
होली-गीतों में ब्रज-संस्कृति का प्रभाव : श्री गनेशीलाल बुधौलिया ३३०
भक्ति संदर्भ में ब्रज : श्री चन्द्रभान रावत ३३४
रासलीला : श्री श्याम परमार ३५२
राधावल्लभ-सम्प्रदाय की भक्ति-पद्धति : श्री विजयेन्द्र स्नातक ३६२
आधुनिक ब्रज-गद्य-धारा : श्री जयकिशनप्रसाद खण्डेलवाल ३७२
ब्रज-भाषा की व्यापकता : श्री हरिमोहनलाल श्रीवास्तव ३७८
ब्रज-भाषा भूलि सी गयौ : श्री मोहनलाल शर्मा ३८१
ब्रज-भाषा-काव्य की देन और दिशा : श्री अम्बाप्रसाद 'सुमन' ३८३
ब्रज-भाषा : हमारा कर्त्तव्य : श्री शिवदत्त चतुर्वेदी ३८६
दो दिवंगत साहित्यकार-१ : श्री कैलाशचन्द्र भाटिया ३६१
दो दिवंगत साहित्यकार-२ : श्री हरिहरस्वरूप विनोद ३६३
ब्रज-विभूति गोस्वामी राधाचरण 'विद्यावागीश' : श्री केदारदत्त तन्त्राड़ी ३६४
ब्रज-लोकगीतों में कृष्ण और रुक्मिणी : श्री शालिग्राम गुप्त ३६६
ब्रज के लोकगीतों का स्वरूप : श्री रामेन्द्रमोहन त्रिपाठी ४०४
प्रेम-रस-धार से सिक्त ब्रज की लोक-वाणी : श्री शिवशंकर त्रिपाठी ४११
'उक्ति-जुक्ति-रस-कौमुदी' में वासन्तिक रास : श्री भगवानदास तिवारी ४१७
रीतिकालीन कविता : सौन्दर्य प्रसाधन : श्री राजेश्वरप्रसाद चतुर्वेदी ४२७
सौभाग्य और सौन्दर्य की प्रतीक चूड़ियां : श्रीमती हर्षनन्दिनी भाटिया ४३४
हास्य-काव्य में मथुरा का योगदान : श्री बरसानेलाल चतुर्वेदी ४४१
ब्रज की विनोदी परम्परा : श्री निरंकुश ४४४
दादा जी के दो प्रिय कवि : श्री रमेशचन्द्र दुबे ४६०

खंड : चार

प्रेरक पत्र

श्री अयोध्याप्रसाद गोयलीय के नाम ४७१
श्री कृष्णानन्द गुप्त ,, ४८०
श्री किशोरीदास बाजपेयी ,, ४८६
श्री गणेश चौबे ,, ४८६
श्रीमती तारारानी श्रीवास्तव ,, ४८७
श्री दुर्गादास समाधिया ,, ४६२
श्री नरेश चतुर्वेदी ,, ४६३
श्री नरोत्तम नागर ,, ५०५

Scanned with OKEN Scanner

श्री पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र' के नाम ५०६
श्री बाबा पृथ्वीसिंह आजाद ,, ५०८
श्री मोहनसिंह सेंगर ,, ५१५
श्री रामइकबालसिंह 'राकेश' ,, ५१९
श्री रामचरण हयारण 'मित्र' ,, ५२७
श्री राम नारायण उपाध्याय ,, ५२९
श्री रामशरण विद्यार्थी ,, ५३४
श्री वंशीधर विद्यालंकार ,, ५३६
श्री विष्णु प्रभाकर ,, ५४०
श्रीमती शकुन्तला श्रीवास्तव ,, ५४३
श्री शिवनारायण श्रीवास्तव ,, ५४८
श्रीमती सत्यवती मल्लिक ,, ५४९
श्री हजारीप्रसाद द्विवेदी ,, ५५८
श्री हरिमोहन श्रीवास्तव ,, ५६०

खण्ड : पांच

योजन और संयोजन

भारतीय क्रान्तिकारी आन्दोलन एक झांकी—१ : श्री मन्मथनाथ गुप्त ५६३
विदेशों में भारतीय क्रान्तिकारी—२ : श्री मन्मथनाथ गुप्त ५६८
भारतीय क्रान्तिकारियों पर लेनिन का प्रभाव—३ : श्री मन्मथनाथ गुप्त ५७६
साहित्य क्षेत्र में विकेन्द्रीकरण : श्री बनारसीदास चतुर्वेदी ५७८
हिंदी क्षेत्रों का विभाजन : श्री बनारसीदास चतुर्वेदी ५८१
पिछली सेवा और भावी कार्यक्रम : श्री बनारसीदास चतुर्वेदी ५८२
सन २००० ईस्वी का बुन्देलखण्ड : श्री बनारसीदास चतुर्वेदी ५८६
प्रांत निर्माण : श्री बनारसीदास चतुर्वेदी ५९०

खण्ड : छह

हिन्दी पत्रकारिता के पचास वर्ष

हिन्दी पत्रकारिता को चतुर्वेदीजी का योगदान : श्री जगदीशप्रसाद चतुर्वेदी ५९७
अनुभवी पत्रकार की सिखावन : श्री प्रेमनाथ चतुर्वेदी ६०२
हिन्दी सम्पादन-कला और चतुर्वेदीजी : श्री जयदेव ६०३
बीसवीं शताब्दी की हिन्दी-पत्रकारिता का प्रथम चरण : श्री वेंकटलाल ओझा ६०६

Scanned with OKEN Scanner

खण्ड : सात

विविध

अभिनंदनम् : श्री भगवानदास मिश्र ६१३
एक बेचैनीभरा पत्र : श्री जगदीशचंद्र माथुर ६१४
ऐसे हैं हमारे चतुर्वेदीजी : श्री रामलाल पुरी ६१७
शतसहस्राभिनन्दनम् : श्री मथुरादत्त शास्त्री ६१९

•

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner